संकट नै लादी फांसी बालाजी कोई जतन बणादे नै

संकट नै लादी फांसी,
या दुनिया कर री हांसी,
कोई जतन बणादे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै।bd।

तर्ज – तू कूण्डी सोटा ठाले।

तेरी आरती लेली बाबा,
कुछ भी चैन पड़ै कोन्या,
पागल कैसा ढंग मेरा,
मनै सारी रात पड़े रोणा,
मेरी जाड़ी भींच जा बाबा,
मेरी नाडी रुक जा बाबा,
मेरी जान बचा दे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै।bd।

तेरे जैसा दुनिया म्ह कोए,
और ना संकट काटणीया,
पेशी आवै झूम झूम कै,
कोई नहीं दिल डाटणीया,
मेरे बाबा बन्द लगा दे,
चाहे चार मोगरे प्यादे,
मेरा पिण्ड छूडा़दे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै।bd।

घाटे के म्ह आए पाच्छै,
छिड़ गया रोग पुराणा हो,
जै मेरा संकट नहीं कटया मनै,
पड़ जागा मर जाणा हो,
मनै ना क्यांहे की शोधी,
भूतां नै गेरकै लोहदी,
मनै हाके भीगा आपनै,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै।bd।

'लक्की शर्मा' बालाजी तेरा,
खूब करै गुणगान हो,
यो बलराज शामदो आला,
भूल्लै ना एहसान हो,
अशोक भगत पै थारी,
या दया घणी बलकारी,
संकट नै भूलादे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै।bd।

संकट नै लादी फांसी,
या दुनिया कर री हांसी,
कोई जतन बणादे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै,
लाल लंगोटे आले,
रोग नै काट दिखादे नै।bd।

गायक – लक्की शर्मा पिचोलीया।
9034283904
लेखक – अशोक भगत गुहणीया।
प्रेषक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लण।
9996800660

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com